देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित www.page3news.in नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 155 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
मनमानी मंजूर नहीं

पेज श्री

देहरादून, रविवार, 22 सितंबर 2024

मौसम अधिकतम 29.0⁰ न्यूनतम 24.0⁰ | 79924.77

2 दुविधा में फंसे नसरल्लाह और नेतन्याहू | 7 पंत ने बांग्लादेश के लिए लगाई फील्डिंग

दिल्ली में अब 'आतिशी' सरकार

एलजी ने 5 मंत्रियों को भी दिलाई शपथ, कैबिनेट में एक नए चेहरे को किया गया शामिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बन गई हैं। वह दिल्ली की 8वीं और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनीं हैं। एलजी वीके सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। आतिशी के साथ–साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ली। शपथ लेनेवाले नए मंत्रियों में सुल्तानपुर माजरा के विधायक मुकेश अहलावत के अलावा गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन शामिल हैं।

दिल्ली सरकार में सबसे ज्यादा मंत्रालय संभालने वाली 43 वर्षीय आतिशी, सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद राष्ट्रीय राजधानी की मुख्यमंत्री बनने वाली तीसरी महिला हैं। वह दिल्ली की सबसे युवा मुख्यमंत्री भी हैं। आतिशी आम आदमी पार्टी की संस्थापक सदस्य रही हैं। उन्होंने इसकी नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आतिशी की कैबिनेट में पूर्व के सभी चारों मंत्रियों को दोबारा मंत्री बनाया जा रहा है। वहीं, आरक्षित सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले मुकेश अहलावत को कैबिनेट में शामिल किया गया है।

दिल्ली में गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन कैबिनेट मंत्री की शपथ ली। मुकेश अहलावत भी कैबिनेट मंत्री की शपथ ली। मुकेश अहलावत सुल्तानपुर माजरा से विधायक हैं। यह अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं। यह राजकुमार आनंद की जगह लेंगे। बता दें कि दिल्ली सरकार में मुख्यमंत्री सहित कुल छह मंत्री होते हैं। अभी मुख्यमंत्री के साथ पांच मंत्री शपथ ली है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले मनोनीत सीएम और आप नेता आतिशी ने प्रस्तावित मंत्रियों के साथ अरविंद केजरीवाल से मिलने उनके घर पहुंची। यहां वह उनसे मुलाकात की।

दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आतिशी ने अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का जमकर गुणगान किया। साथ ही उपराज्यपाल पर बरसते हुए अगले चार महीने के लिए अपना प्लान भी बताया। आतिशी ने कहा, मैं दिल्ली की बेटी, इतिहास में सबसे लोकप्रिय नेता, मेरे बड़े भाई और राजनीतिक गुरु अरविंद केजरीवाल जी का धन्यवाद करना चाहती हूं कि उन्होंने मेरे ऊपर भरोसा किया।

सफल नहीं होने देंगे बीजेपी का षड्यंत्रः सीएम

आतिशी ने सवालिया लहजे में कहा कि क्यों आज अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री नहीं हैं। क्योंकि बीजेपी की केंद्र सरकार ने केजरीवाल के खिलाफ षड्यंत्र रचा। उन पर झूठे मुकदमे लगाए। छह महीने से ज्यादा जेल में रखा। उनको तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन, अरविंद केजरीवाल झुके नहीं, दबे नहीं। अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी दुर्भावना से की गई। कोई और नेता होता तो जमानत पर बाहर आने के बाद कुर्सी पर बैठ जाता, लेकिन केजरीवाल ने ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा कि वह जनता की अदालत में जाएंगे और उसके फैसले के बाद ही सीएम की कुर्सी पर बैठेंगे।

जनता के लिए खोलें शीश महल का दरवाजाः बीजेपी

भाजपा ने आशा व्यक्त की है कि मुख्यमंत्री आतिशी पद संभालने के बाद लंबे समय से कुशासन का शिकार हो रही जनता को राहत देंगी। उनसे अपेक्षा है कि जनता से किए वादों को पूरा करने के लिए बड़े कदम उठाएंगी। मुख्यमंत्री निवास के रूप में तैयार शीश महल को दिल्ली की जनता के लिए खोलेंगी ताकि सभी देख सके कि मुख्यमंत्री का बंगला कैसा होता है। दिल्ली की जनता को इस समय बिजली की दरों और पानी की समस्या से तुरंत राहत मिलनी चाहिए। पिछले तीन महीनों से दिल्ली में बिजली के बिलों पर 45 फीसदी सरचार्ज थोंपा जा रहा है जिससे बिल कई गुना बढ़ गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

अब पाकिस्तान पीएम मोदी से डरता हैः अमित शाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेंढर। जम्मू–कश्मीर के विधानसभा चुनाव को धार देने के लिए शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मेंढर पहुंचे। यहां जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 90 के दशक में जम्मू कश्मीर में कितनी गोलीबारी होती थी, याद है न आपको... अब गोलीबारी होती है क्या? पहले यहां गोलीबारी इसलिए होती थी, क्योंकि पहले यहां के आका पाकिस्तान से डरते थे, अब पाकिस्तान पीएम नरेन्द्र मोदी से डरता है।

एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह होंगे अगले वायुसेना प्रमुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह को वायुसेना के अगले प्रमुख होंगे। वर्तमान में वायुसेना के उप–प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। वे 30 सितंबर 2024 की दोपहर से अगले वायुसेना प्रमुख के रूप में एयर चीफ मार्शल का पदभार संभालेंगे। वर्तमान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी 30 सितंबर 2024 को पदमुक्त हो रहे हैं।

हम बिरयानी खाने और गले मिलने नहीं गए

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का बीजेपी पर तंज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जम्मू। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस–नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधाते हुए आरोप लगाया कि यह गठबंधन आतंक के आका पाकिस्तान के उसी एजेंडे को जम्मू–कश्मीर में लागू करना चाहता है, जिसने यहां पीढ़ियां बर्बाद की और खून बहाया। अब इसको लेकर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कड़ा पलटवार किया है। खरगे ने इन आरोपों को झूठा बताते हुए कहा, भाजपा भले ही भारत से मोहब्बत करती हो, लेकिन उसने शादी पाकिस्तान से की है।

जम्मू में शनिवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस प्रमुख खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारी पार्टी पाकिस्तान जाकर बिरयानी नहीं खाती और न गले मिलती है। उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी की दिसंबर 2015 में पाकिस्तान की आश्चर्यजनक यात्रा के संदर्भ में की गई थी, जब उन्होंने अपने तत्कालीन समकक्ष नवाज शरीफ से मुलाकात की थी।

दो दिन पहले अनुच्छेद 370 पर पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की कथित टिप्पणियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि वह जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे और दुनिया की कोई ताकत जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं करा सकती है। कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी।

मोहब्बत हमारे साथ, शादी पाकिस्तान से

खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस–नेशनल कॉन्फ्रेंस का एजेंडा पाकिस्तान से जुड़ा हुआ है.. यह सब झूठ है और ध्यान भटकाने के लिए किया गया है। मैं आपसे पूछता हूं, भाजपा पिछले 10 साल से केंद्र में सत्ता में है और यहां उनके द्वारा नियुक्त राज्यपाल हैं। उन्होंने जो वादे किए थे, उन्हें क्यों पूरा नहीं किया? उन्होंने आगे कहा, आप पाकिस्तान की बात करते हैं। हम कभी बिरयानी खाने और गले मिलने नहीं गए, आप गए थे और अब आप हमें दोष दे रहे हैं। मैं एक कहावत कहता हूं कि मोहब्बत हमारे साथ, शादी पाकिस्तान के साथ।

धर्मगुरुओं और विशेषज्ञों की लेंगे सलाह, फिर करेंगे कार्रवाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि तिरुपति के लड्डू में जानवरों के चर्बी वाले घी की मिलावट के आरोपों के बाद उनकी सरकार धर्मगुरुओं और विशेषज्ञों की राय लेगी। इस मामले में आगे क्या कदम उठाना है, वे इस पर चर्चा करेंगे।

नायडू ने हाल ही में एनडीए की विधायक दल की बैठक के दौरान कहा था कि पिछले सरकार (वाईएसआरसीपी) ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए खराब गुणवत्ता वाली सामग्री और जानवरों की चर्बी का वसा इस्तेमाल किया।

उन्होंने बताया कि सरकार तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के संबंध में सही फैसला लेने के लिए विशेषज्ञों से चर्चा करेगी। उन्होंने कहा, हम चर्चा कर रहे हैं कि आगे क्या करना है। साधुओं और सनातन हिंदू धर्म के विशेषज्ञों के साथ विचार–विमर्श करने के बाद हम तय करेंगे कि अनुष्ठानिक शुद्धता कैसे बनाए रखी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने तिरुपति लड्डू की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, बहुत से लोगों ने बेहतर प्रसाद बनाने की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हुए। अयोध्या में भी तिरुमाला लड्डू की नकल करने की कोशिश की गई। लेकिन यह संभव न हो सका।

आश्वासन

■आंध्र प्रदेश के सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू ने दिया आश्वासन

हाई–टेक लैब से होगी जांच

तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डू में मिलावट का मामला तूल पकड़ चुका है। एक कथित जांच में पता चला है कि लड्डू में जानवर की चर्बी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे विवाद और बढ़ गया है। इस स्थिति के मद्देनजर तिरुपति मंदिर प्रशासन–तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाने का फैसला किया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

जनमानस के परामर्श के बगैर नही दूंगा अनुमति

संवाददाता

देहरादून। निर्माण कार्यों के उपरान्त तत्काल सड़क सुधार करें, तभी दी जाएगी नवीन कार्यों की अनुमति" यह बात जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में कार्यदायी संस्थाओं के साथ आयोजित बैठक में कही। अधूरे निर्माण एवं सड़क के गड्ढो, पानी लीकेज की शिकायतों को डीएम ने गंभीरता से लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक बुलाई। बिना अनुमति के सड़क की खुदाई पर होगी कार्यवाही। जिलाधिकारी ने सभी निर्माण कार्यों की अनुमति प्रक्रिया को क्लब किया। जनमानस को मिलेगी, उनके क्षेत्र कार्य कर रही कार्यदायी संस्थान नाम एवं कार्यों की समय सीमा।

जिलाधिकारी ने जनपद में पाईपलाइन लीकेज, मरम्मत, हेतु जलसंस्थान की तय की जवाबदेही। वही इस कार्य के लिए जिलाधिकारी ने नई पहल करते हुए अलग मद बना दिया है, जिससे विभाग बजट की कमी आड़े आने की शिकायत नही कर पाएंगे। निर्माण कार्यों की अनुमति को डीएम ने सरल कर दिया है, अब डीएम की अध्यक्षता में पुलिस, यातायात पुलिस, लोनिवि,आदि सम्बन्धित विभागों के अधिकारी एक ही टेबल पर होगा निर्णय।

■अधूरे निर्माण एवं गड्डो से हो रही समस्या पर डीएम गम्भीर

हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ रही दादागिरी

रिपोर्ट

दुनिया की उम्मीद बना अमेरिका में हो रहा है क्वाड शिखर सम्मेलन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अमेरिका के दौरे पर पहुंचे हैं। अपनी यात्रा के दौरान मोदी डेलावेयर के विलमिंगटन में वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। क्वाड चार देशों– भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका का ग्रुप है। इसकी शुरुआत में 2007 में हुई और दस साल बाद 2017 में इसमें अहम बदलाव कर इसे मजबूती दी गई। क्वाड स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो–पैसिफिक को बनाए रखने पर ध्यान देने के साथ–साथ क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान बातचीत से करने की बात कहता है। हालिया वर्षों में क्वाड भूराजनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में सामने आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, क्वाड का विचार पहली बार 2007 में क्षेत्रीय सुरक्षा पर बढ़ती चिंताओं और इंडो–पैसिफिक में चीन के बढ़ते प्रभाव के जवाब में पेश

किया गया था। हालांकि 2017 तक यह समूह काफी हद तक निष्क्रिय रहा। चीन की मुखर कार्रवाइयों को संतुलित करने और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की स्थिरता सुनिश्चित करने की कोशिश ने क्वाड को फिर से सक्रिय कर दिया। इसके बाद से क्वाड क्षेत्र में कई गंभीर चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक सहयोगी मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

क्वाड का जोर इंडो–पैसिफिक की स्थिरता और समृद्धि के लिए काम करना है। हालांकि इसके अलावा भी कई क्षेत्रों में ये क्वाड देश काम कर रहे हैं। इनमें जलवायु परिवर्तन काफी अहम है। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर क्वाड ने क्लाइमेट वर्किंग ग्रुप के जरिए आपदा जोखिमों को कम करने और भारत–प्रशांत देशों में ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करता है। तकनीक के क्षेत्र में क्वाड पूरे इंडो–पैसिफिक में सुरक्षित और लचीली प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तकनीक के क्षेत्र में क्वाड की उल्लेखनीय पहल पलाऊ में ओपन आरएएन पायलट प्रोजेक्ट है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के दूरसंचार नेटवर्क में विविधता लाना है। क्वाड का साइबर सुरक्षा पर भी ध्यान है। डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से, क्वाड का साइबर सुरक्षा कार्य समूह इंडो–पैसिफिक देशों की साइबर सुरक्षा स्थिति को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है। कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन वितरण पर ध्यान केंद्रित करने के बाद क्वाड की पहल एक व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा साझेदारी में बदल गई है।

क्वाड कई क्षेत्रों में काम कर रहा है लेकिन उसके मूल उद्देश्यों में इंडो–पैसिफिक की स्थिरता और समृद्धि है। यह क्षेत्र अत्यधिक रणनीतिक महत्व रखता है और प्रमुख वैश्विक व्यापार मार्ग है। साथ ही यह क्षेत्र दुनिया की कुछ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं का घर है। ऐसे में क्वाड काम यह सुनिश्चित करना है कि इंडो–पैसिफिक स्वतंत्र और समावेशी बना रहे, जो कि वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

न्यूज डायरी

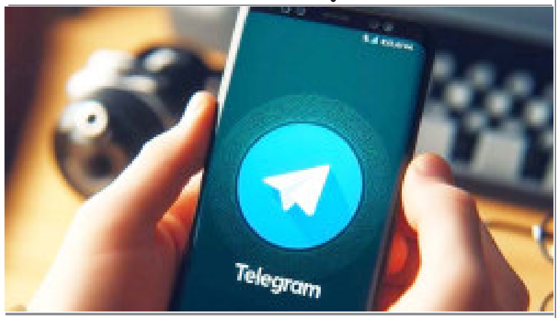

टेलीग्राम देश के लिए खतरा, यूक्रेन ने बैन किया एप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यूक्रेन ने टेलीग्राम पर बैन लगा दिया है। यूक्रेन का कहना है कि यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सरकारी और सेना के अधिकारियों के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। यूक्रेन का दावा है कि टेलीग्राम के जरिए रूस उसके देश पर जासूसी कर रहा है। यूक्रेन के नेशनल सिक्योरिटी ऐंड डिफेंस काउंसिल ने इसका एलान किया है। कुछ दिनों पहले यूक्रेन की जीयूआर मिलिटरी इंटेलिजेंस एजेंसी ने बताया था इस प्लेटफॉर्म के जरिए रूस, यूक्रेन पर जासूसी कर रहा है। यूक्रेन का कहना है कि यह प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। बता दें कि रूस और यूक्रेन, दोनों देशों में धड़ल्ले से टेलीग्राम का उपयोग किया जाता है। रूस–यूक्रेन जंग की जानकारी साझा करने के लिए रूस और यूक्रेन सरकार इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करती आई है। टेलीग्राम की स्थापना रूसी मूल के पावेल डुरोव ने की थी। पिछले महीने टेलीग्राम फाउंडर और सीईओ पावेल डुरोव फ्रांस में गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि टेलीग्राम के 900 मिलियन यूजर्स हैं। लोकप्रियता के बावजूद कंटेंट मॉडरेशन को लेकर चिंताओं के कारण टेलीग्राम को कई देशों में प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका में भारतीय दूतावास के अधिकारी की रहस्यमय तरीके से मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतीय दूतावास के परिसर में एक अधिकारी का शव मिला है। रहस्यमय परिस्थितियों में अधिकारी की मौत से हड़कप मच गया है। एक बयान में अधिकारी के मौत की जानकारी दी गई है। घटना दो दिन पहले की है। वर्तमान में इस मामले की स्थानीय कानूनी अधिकारी और सीक्रेट सर्विस दोनों इस मामले की जांच कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक दूतावास के अधिकारी की मौत के मामले में आत्महत्या की संभावना समेत अलग–अलग एंगल देखे जा रहे हैं। भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा, गहरे दुख के साथ हम पुष्टि करना चाहते हैं कि भारतीय दूतावास के एक सदस्य का 18 सितंबर 2024 की शाम को निधन हो गया। हम पार्थिव शरीर को भारत भेजने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों और परिवार के सदस्यों से संपर्क में हैं। बयान में कहा गया, परिवार की गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए मृतक के बारे में अतिरिक्त जानकारी नहीं दी जा रही है। इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ हमारी प्रार्थनाएं हैं। मौत के कारणों को लेकर अभी भी जांच चल रही है। दूतावास के अधिकारी की मौत का मामला ऐसे समय में सामने आया है जब भारतीय पीएम अमेरिका के लिए रवाना हुए हैं।

सुन लो इजरायल! यह जंग का एलान है: हिजबुल्लाह चीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। इजरायल हमास युद्ध का केंद्र फिलहाल लेबनान बना हुआ है। वजह है हिजबुल्लाह, जिसके खिलाफ इजरायल ने मोर्चा खोल रखा है। हमास के अलावा इजरायल, हिजबुल्लाह को भी लगातार चुनौती दे रहा है। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह ने सीरियल पेजर ब्लास्ट और उसके 24 घंटे के बाद हुए विस्फोट में मारे गए 32 लोगों को दुख जाहिर करते हुए इजरायल को खुली चेतावनी दे दी है। हसन नसरल्लाह ने धमकी दी है कि इजरायल को इस दोनों घटना के लिए उचित दंड मिलेगा। हालांकि, आधिकारिक तौर पर लेबनान में हुए इन दोनों घटनाओं पर इजरायल ने चुप्पी साध रखी है। हिजबुल्लाह चीफ ने कहा कि ये दोनों घटनाएं नरसंहार और युद्ध अपराध है। हसन नसरल्लाह ने दावा किया कि इजरायल दो मिनट में कम से कम 5,000 लोगों को मारने की साजिश रच रहा था। हसन नसरल्लाह ने आगे कहा कि जब तक गाजा में इजरायल का आक्रमण रुक नहीं जाता तब तक हिजबुल्लाह भी नहीं रुकने वाला है। बता दें कि लेबनान में बुधवार को दोपहर बाद अचानक हिजबुल्ला लड़ाकों के रेडियो सेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में विस्फोट होने लगे। पता चला है कि ईरान समर्थित हिजबुल्ला लड़ाकों के बीच संपर्क में काम आने वाले रेडियो में सिलसिलेवार विस्फोटों में 14 लोग मारे गए हैं और 450 से ज्यादा घायल हुए हैं। इससे करीब 24 घंटे पहले मंगलवार को लेबनान में हजारों की संख्या में पेजर फटे थे जिनमें 12 लोग मारे गए थे और करीब तीन हजार घायल हुए थे।

मारे गए इब्राहिम अकील पर था 58 करोड़ का इनाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज तेल अवीव। हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को उत्तरी इजरायल पर एक बड़ा हमला किया। हिजबुल्लाह ने 140 से ज्यादा रॉकेट दागे। इसके बाद भड़की इजरायली इजरायली सेना ने पलटवार में हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर इब्राहिम अकील को ढेर कर दिया।

इब्राहिम अकील हिजबुल्लाह में दूसरे नंबर पर है, जो सीधे चीफ हसन नसरल्लाह को रिपोर्ट करता है। लेबनानी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक हमले में कम से कम 9 लोग मारे गए और लगभग 60 घायल हो गए। इब्राहिम अकील 1983 के दो बेरूत ट्रक बम विस्फोटों में 70 लाख डॉलर (58 करोड़ रुपए) का इनामी था। बम धमाके में तब अमेरिकी दूतावास और अमेरिकी मरीन बैरक में 300 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्लाह की विशिष्ट राडवान इकाई की एक मीटिंग के दौरान बेरूत के दक्षिणी इलाके में हवाई हमला किया गया, जिसमें अकील मारा गया। अकील को तहसीन और अब्देलकादर के नाम से भी जाना जाता है। वह हिजबुल्लाह की टॉप मिलिट्री बॉडी जिहाद काउंसिल का दूसरा सदस्य है जो पिछले दो महीने में मारा गया। जुलाई में फुआद शुकर को भी इजरायल ने इसी इलाके में निशाना बनाकर मार दिया था। शुकर की तरह अकील हिजबुल्लाह का एक टॉप कमांडर था।

58 सहकर्मियों से संबंध, करोड़ों की रिश्वत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन की एक महिला अधिकारी झोंग यांग को भ्रष्टाचार और सहयोगियों से अनैतिक संबंध रखने के लिए 13 साल जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही उन पर 10 लाख युआन (1.18 करोड़ भारतीय रुपए) का जुर्माना भी लगाया गया है। झोंग यांग को चीन में अपने लुक के लिए काफी शोहरत मिली थी और उनको खूबसूरत गवर्नर का निकनेम दिया गया था। वह गुइझोउ के कियानान प्रान्त में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की गवर्नर और उप सचिव भी रह चुकी हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) की रिपोर्ट के अनुसार, झोंग पर अपने 58 पुरुष सहकर्मियों के साथ यौन संबंध बनाने और 60 मिलियन युआन रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। 52 वर्षीय झोंग 22 साल की उम्र में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हुईं और नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) में डिप्टी के पद तक पहुंचीं। झोंग ने फल और कृषि संघ शुरू करने के लिए भी पहचान बनाई।

पेजर धमाकों के बाद दुविधा में फंसे नसरल्लाह और नेतन्याहू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेल अवीव। इजरायल और हमास के बीच पिछले 11 महीनों से युद्ध चल रहा है। जब हमास के साथ इजरायल का संघर्ष शुरू हुआ था, तभी से हिजबुल्ला के साथ भी लड़ाई चलती रही है। हिजबुल्लाह को लगातार कमजोर करने के लिए इजरायल ने अपनी रणनीति बदली है। इजरायल अब अंधाधुंध बमबारी करके बड़ी जगह को बर्बाद करने की जगह सटीक हमले कर रहा है। पेजर और वॉकी टॉकी में धमाका करके इजरायल ने सटीक हमला करने की अपनी क्षमता दिखाई है। वहीं शुक्रवार को उसने एक पिन पॉइंट हमले में हिजबुल्लाह के दूसरे नंबर के टॉप कमांडर इब्राहिम अकील

इजरायल और हिजबुल्लाह का संघर्ष बढ़ रहा है

को ढेर कर दिया। टाइम्स ऑफ इंडिया में पश्चिम एशिया मामलों के एक्सपर्ट अत्तिला सोमफलवी ने अपने लेख में कहा कि युद्ध की शुरुआत में हिजबुल्लाह के टॉप नेताओं को इजरायल निशाना बनाने से बचता रहा है, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

पिछले 11 महीनों से दोनों पक्ष एक दूसरे के खिलाफ ड्रोन, मिसाइल, सीक्रेट ऑपरेशन और रॉकेट से हमला करते रहे हैं। हर कुछ दिनों में एक पक्ष दूसरे पर प्लान बनाकर हमला करता है। एक पक्ष इसे लाल रेखा पार करने की बात कह कर बदला लेने की धमकी देता है। फिर कुछ दिनों बाद बदला भी लिया जाता है। लेकिन फिर दोनों पीछे हो जाते हैं। यह दिखाता है कि न तो हिजबुल्लाह और न इजरायल इस युद्ध को बढ़ाना चाहता है। संघर्ष के कारण उत्तरी इजरायल में लेबनान से लगती सीमा के करीब लोग अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर हुए हैं।

दोनों पक्ष टकराव नहीं चाहते फिर भी मानते हैं कि संघर्ष को टाला नहीं जा सकता। इजरायल कहता रहा है कि वह दो मोर्चों पर युद्ध नहीं चाहता। लेकिन हाल में उसने जो कार्रवाइयां की हैं वो दिखाता है कि स्थिति बदल रही है। इजरायल ने नया लक्ष्य तय किया है कि हिजबुल्लाह को उत्तरी सीमा से दूर धकेल दिया जाए, ताकि इजरायली वापस अपने घरों में जा सकें।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मुठभेड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो मुठभेड़ में 12 आतंकी मारे गए और छह सुरक्षाकर्मियों की भी मौत हो गई। सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आइएसपीआर) ने बताया कि उत्तरी एवं दक्षिणी वजीरिस्तान में मुठभेड़ हुई। पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ कर रहे सात आतंकियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। पाकिस्तान ने तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को आधिकारिक रूप से फितना अल–खवारिज घोषित कर रखा है। दूसरी घटना दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के लाधा में हुई। आतंकियों के दल ने सुरक्षा बलों की चौकी पर हमला किया और सैनिकों ने सभी पांच आतंकियों को मार गिराया। हालांकि यहां हुए मुठभेड़ में छह सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई।

Page Three
Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

राइका गैरसैंण, भराड़ीसैंण और मेहलचौरी बनेंगे मॉडल स्कूल

निर्देश जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने विद्यालयी शिक्षा की समीक्षा बैठक लेते हुए दिए निर्देश

संवाददाता

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने शनिवार विद्यालयी शिक्षा की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत संचालित आधारभूत संरचना विकास के कार्यो को गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विद्यालय भवनों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जीर्णर्शीण विद्यालयों भवनों में किसी भी दशा में कक्षाओं का संचालन न किया जाए। जीर्णशीर्ण विद्यालय भवन व कक्षा कक्षों की मरम्मत हेतु शीघ्र प्रस्ताव उपलब्ध करें। राइका गैरसैंण, मेहलचौरी और भराडीसैंण को आदर्श विद्यालय बनाया जाए। कहा कि इसके लिए अलग से फंड की व्यवस्था की जाएगी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यालयों मे स्मार्ट क्लास रूम तैयार करते हुए डिजिटल शिक्षा और वर्चुअल क्लास की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। जिन विद्यालयों में बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम सबसे खराब रहा है उनकी सूची उपलब्ध कराते हुए शिक्षा में सुधार के लिए रेगुलर उन विद्यालयों की मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यालयों में नियमित रूप से छात्र–छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए और ऐसे बच्चे जो किसी बीमारी से ग्रसित है, उनका स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उपचार कराया जाए। इसका पूरा रिकॉर्ड भी रखे। बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के बारे में आधी अधूरी जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने शिक्षा अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने की हिदायत भी दी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं अभियान के तहत शिक्षा, बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग आपसी समन्वय के साथ जनपद के सभी बालिका इंटर कॉलेज में शिविर आयोजित कर बालिकाओं को उनके अधिकार और सुरक्षा के बारे में जानकारी देकर जागरूक करें। बालिकाओं को प्रोटीन और विटाइमिन युक्त खाद्य सामग्री दी जाए। सभी बालिका इंटर कॉलेज में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाई जाए।

जिलाधिकारी ने जल संस्थान एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के सभी विद्यालयों में शुद्ध पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालयों में बुनियादी शिक्षा एवं संख्या ज्ञान, मिड–डे–मील, पीएम श्री, समग्र शिक्षा, जिला योजना, राज्य सेक्टर एवं नाबार्ड के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यो की गहनता से समीक्षा की। प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 1296 राजकीय विद्यालय, 164 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय, 37 राजकीय सहायता प्राप्त विद्यालय और दो समाज कल्याण से मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित है।

न्यूज डायरी

नदियों में प्रदूषण एवं इसकी स्वच्छता के लिए एनजीटी एवं शासन स्तर पर हुई बैठक

संवाददाता चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में गंगा एवं इसकी सहायक नदियों में प्रदूषण एवं इसकी स्वच्छता के लिए एनजीटी एवं शासन स्तर से पारित निर्देशों के क्रम में पर्यवेक्षण समिति की बैठक ली। उन्होंने जल संस्थान को कर्णप्रयाग व नन्दप्रयाग में घरेलू सीवर संयोजन हेतु सीवर लाइन की डीपीआर बनाने तथा थराली में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन इकाई के निर्माण का स्थानीय जनता द्वारा विरोध किए जाने को लेकर एसडीएम व ईओ थराली को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। डीपीओ नमामि गंगे गोविन्द बुटोला ने बताया कि जनपद में 16 एसटीपी बनाए गए हैं जिनके द्वारा 28 प्रदूषित नालों के गन्दे पानी का शोधन कर नदी में छोडा जाता है।

ब्लॉक प्रमुख की अध्यक्षता में की गई क्षेत्र समिति की बैठक आयोजित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। क्षेत्र पंचायत ऊखीमठ की बैठक ब्लॉक प्रमुख श्रीमती श्वेता पांडेय की अध्यक्षता में ब्लॉक सभागार ऊखीमठ में आयोजित की गई। इस दौरान जन प्रतिधियों द्वारा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से संबंधित 62 प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किए गए। जिसमें जनप्रतिनिधियों द्वारा अधिकतर प्रस्ताव पानी, सड़क, शिक्षा, बिजली आदि सहित अन्य प्रस्तावों को प्रमुखता से सदन में रखा गया। क्षेत्र समिति की बैठक में प्रधान ग्राम पंचायत मक्कू विजयपाल सिंह नेगी ने पात्र ग्रामीण काश्तकारों को पॉली हाउस का लाभ दिलाने की मांग की। साथ ही उन्होंने राजकीय प्राथमिक विद्यालय कैल में प्रांगण निर्माण व चारदीवारी करने की भी मांग की। स्यांसू प्रधान राकेश सिंह ने गांव को मोटर मार्ग से जोड़ने की मांग की। ब्यूंखी के प्रधान सुदर्शन सिंह ने प्राथमिक विद्यालय में बालिका शौचालय व खेल मैदान निर्माण के क्षतिग्रस्त होने की समस्या से अवगत कराया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने किया बैटरी–एज–ए–सर्विस का विस्तार

संवाददाता देहरादून । जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया भारत के पैसेंजर ईवी सेगमेंट को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। अपनी इन्हीं कोशिशों के साथ कंपनी ने हाल ही में लॉन्च किए गए बीएएएस प्रोग्राम का विस्तार किया है। अब कंपनी ने इस खास प्रोग्राम को कॉमेट ईवी और जेडएस ईवी मॉडल के लिए भी पेश किया है। कंपनी ने बीएएएस कॉन्सेप्ट को एमजी विंडसर के लॉन्च के साथ पेश किया गया था। कंपनी की इस पेशकश को ग्राहकों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। इस बेहद खास बीएएएस प्रोग्राम के तहत, ग्राहक अब स्ट्रीट–स्मार्ट कार – एमजी कॉमेट ईवी को 4.99 लाख प्लस बैटरी रेंटल 2.5धकिमी की शुरुआती कीमत पर घर ला सकते हैं।

चिट फण्ड की आड़ में डेढ़ करोड़ ठगने वाला फरार शातिर गिरफ्तार

अर्जुन सिंह भण्डारी श्रीनगर। श्रीनगर में फर्जी चिट फण्ड कंपनी खोलकर आम जनता को उसमे निवेश उसमे अधिक ब्याज कमाने का लालच देकर डेढ़ करोड़ की ठगी करने वाले फरार मुख्य आरोपी को श्रीनगर पुलिस द्वारा हरिद्वार के मंगलौर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीती 19 जनवरी को वादी तेजपाल सिंह निवासी डैम कालोनी श्रीनगर ने कोतवाली श्रीनगर में प्रदीप कुमार, बृज मोहन, कुलदीप कुमार, गोविन्द प्रसाद, मनोज सिंह के द्वारा गुरुद्वारा रोड़ श्रीनगर में फर्जी चिट फंड कम्पनी 'अतंरिक्षा किसान मित्रा प्रोड्यूसर लिमिटेड कम्पनी' खोलकर लोगो को उसमें निवेश कर उनकी जमा धनराशि पर अधिक ब्याज का प्रलोभन देकर 1.5 करोड़ की धोखाधड़ी करने के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। श्रीनगर पुलिस द्वारा मामले में इस शिकायत के आधार पर धारा–420, 120 (बी) भा.द.वि, 3 यूपीआईडी एक्ट एवं 3/21(3) बड्स एक्ट पंजीकृत किया गया।

धोखाधड़ी का मुख्य आरोपी प्रदीप कुमार पुत्र श्री शिव लाल, निवासी–ग्राम व पोस्ट नरायणकोटि,जनपद रुद्रप्रयाग मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी को पुलिस टीम द्वारा लगातार उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी किन्तु वह पुलिस को चकमा दे रहा था। पौड़ी पुलिस द्वारा अभियुक्त को ढूंढने को पुनः सक्रियता से अभियान चलाते हुए प्रभारी निरीक्षक श्रीनगर मणिभूषण श्रीवास्तव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिनके द्वारा मुखबिरी तंत्रो, सर्विलांस की मदद से मुख्य सरगना फरार ईनामी अभियुक्त प्रदीप कुमार को मंगलौर, हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया।

कास्तकारों को उचित बीमा न मिलने से किसानों में भारी नाराजगी

संवाददाता पुरोला। प्रधानमंत्री फसल विमा गोजना के तहत सांकरी तहसील के कास्तकारों को उचित बीमा न मिलने से किसानों में भारी नाराजगी है। नाराज किसानों ने बीडीसी सदस्य जखोल संजय रावत के नेतृत्व में शनिवार को तहसीलदार जिनेंद्र रावत के माध्यम से जिलाधिकारी उत्तरकाशी को ज्ञापन प्रेषित कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में लिखा है कि कास्तकारों को विगत 5 वर्षों से फसल विमा योजना की उचित धन राशि नही मिल रही है। जबकि सांकरी क्षेत्र में जिले में सबसे अधिक वर्षा होती है और सर्वाधिक हिमपात भी इसी क्षेत्र में होता है। परन्तु विमा कम्पनी द्वारा कृषकों को उनके द्वारा जमा की गयी प्रीमियम राशि के बराबर भी विमित धनराशि नहीं दी जा रही है। विगत वर्ष से लगातार हो रही वर्षा के कारण किसानो के आलू, सेव, टमाटर अदरक आदि की 90 प्रतिशत फसले खराव हो चुकी थी, लेकिन विमा कम्पनी ने जमा कि गई धनराभि का भी 50 प्रतिशत प्रतिशत वापस नही किया है। जिस कारण क्षेत्र के कृषकों में भारी रोश है।

खनन प्रभावित क्षेत्रों में जनहित से जुड़े प्रस्तावों को प्राथमिकता पर रखने के दिए निर्देश

■जिलाधिकारी ने जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि की प्रबंधन समिति की बैठक ली

संवाददाता।

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि की प्रबंधन समिति की बैठक हुई। जिसमें जनपद के खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु विभिन्न विभागों से उपलब्ध प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में प्रस्तावित कार्यो का समिति के माध्यम से साइट सलेक्शन, तकनीकी परीक्षण और सर्वेक्षण के बाद आंगणन और फोटोग्राफ सहित प्रस्ताव उपलब्ध करें। समिति की औचित्यपूर्ण रिपोर्ट के आधार पर ही प्रस्तावित कार्यो को स्वीकृति हेतु शासकीय परिषद की बैठक में रखा जाएगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पूर्व में स्वीकृत प्रस्ताव जिनके कार्य पूर्ण हो गया है उनकी तीन दिन के भीतर यूसी दें। प्रभावित क्षेत्रों में जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों को लिया जाए। ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका फायदा मिले। चारदीवारी निर्माण के लिए मनरेगा में प्रस्ताव दें। निर्माण कार्यो में डुप्लीकेशी न हो इसके लिए कार्यदायी संस्था स्वीकृत कार्य हेतु प्रमाण पत्र भी उपलब्ध करें। ऐसे विभाग जिन्होंने अभी तक प्रस्ताव नहीं दिए हैं वे सभी प्रजेन्टेशन के साथ शीघ्र अपना प्रस्ताव उपलब्ध करें। ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मंजूरी दी जा सके।

जिला खान अधिकारी नाइजा हसन ने बताया कि विभिन्न विभागों से अब तक कुल 61 प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इसमें 417.97 लाख के 25 प्रस्ताव उच्च प्राथमिकता और 664.97 लाख के 36 अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्र के है। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह रावत, लोनिवि के अधिशासी अभियंता राजवीर सिंह चौहान, ग्रामीण विभाग के अधिशासी अभियंता अला दिया, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अरविंद नेगी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

टाटा स्ट्राइव और एयरबस की संयुक्त साझेदारी में हुई स्थापना

संवाददाता देहरादून। टाटा कम्युनिटी इनीशिएटिव्स ट्रस्ट की कौशल विकास पहल टाटा स्ट्राइव और एयरबस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी साझेदारी को कौशल विकास एवं आजीविका सृजन के क्षेत्रों में विस्तारित किया है। इस संयुक्त पहल के तहत एयरबस नामक कौशल प्रशिक्षण केन्द्र – टाटा स्ट्राइव कौशल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य उन छात्रों को प्लेटफॉर्म प्रदान करना है जो सेंटर के डिजिटल कोर्सेज में एक्सपोजर पाकर इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। सेंटर में विजिट के दौरान मेधावी एवं महत्वाकांक्षी उम्मीदवारों से मिलकर बहुत अच्छा लगा, जो भारत में इनोवेटर्स की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, एरोस्पेस और डीफेन्स जैसे महत्वपूर्ण सेक्टरों में यह साझेदारी कौशल प्रोग्रामों को उद्योग जगत की बदलती जरूरतों के अनुसार ढालने के महत्व को दर्शाती है।

मनमानी मंजूर नहीं

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के ताजा रुख की बारीकियां खास तौर पर गौर करने लायक हैं। कोर्ट ने पहले तो यह साफ किया कि इस आधार पर किसी का भी घर नहीं ढहाया जा सकता कि वह किसी मामले में आरोपी है।

अनुज श्रीवास्तव।।

अलग–अलग राज्यों में आरोपियों और अपराधियों के खिलाफ की जा रही बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख दिखाता है कि प्रशासनिक मशीनरी को किसी भी रूप में और किसी भी स्तर पर कानूनी प्रक्रियाओं के निर्वाह के दायित्व से मुक्त नहीं किया जा सकता। कुछ वर्षों से बुलडोजर को अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के प्रतीक के तौर पर इस्तेमाल करने का ट्रेंड बढ़ता जा रहा था, जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो रहे थे।

यह ट्रेंड भले उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ हो, इसका इस्तेमाल अन्य राज्यों में भी शुरू हो गया था। गैर–बीजेपी सरकारें भी 'त्वरित न्याय' का संदेश देने के लिए इस तरह की कार्रवाई का इस्तेमाल करने से खुद को नहीं रोक सकीं।

हालांकि इस तरह की कार्रवाई के पक्ष में हर जगह दलील यही दी जा रही थी कि सरकारी बुलडोजर अवैध निर्माणों को ही निशाना बना रहे हैं। लेकिन जिस तरह से किसी अपराध में नाम आने के बाद यह कार्रवाई की जाती थी, उससे साफ था कि मामला सिर्फ अवैध निर्माण का नहीं था।

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के ताजा रुख की बारीकियां खास तौर पर गौर करने लायक हैं। कोर्ट ने पहले तो यह साफ किया कि इस आधार पर किसी का भी घर नहीं ढहाया जा सकता कि वह किसी मामले में आरोपी है। यहां तक कि अगर कोई अपराधी साबित हो जाता है, तब भी उसका घर नहीं गिराया जा सकता। फिर सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी भी रूप में गैर–कानूनी निर्माण का बचाव नहीं करने के मूड में नहीं है।

असल में बड़ा सवाल कानूनी प्रक्रियाओं के पालन का और हर व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा का है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने अलग–अलग मामलों के मेरिट में जाने के बजाय यह सुनिश्चित करना ज्यादा जरूरी समझा कि मनमाने ढंग से बुलडोजर कार्रवाई न की जा सके। पूरे देश के लिए एक गाइडलाइन बनाने का फैसला इस लिहाज से अहम है।

भय कानून का हो हालांकि अपराधी तत्वों के बीच एक हद तक भय पैदा करने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इस क्रम में नागरिकों के बीच पुलिस–प्रशासन का भय पैदा हो जाए, यह स्थिति भी स्वीकार नहीं की जा सकती। अगर भय हो भी तो कानून का होना चाहिए, सरकारी तंत्र का नहीं। सुप्रीम कोर्ट के संतुलित रुख ने इस मामले में सभी पक्षों के लिए कानूनी सीमा को रेखांकित करने का सराहनीय प्रयास किया है।

मन ही मन

अशोक वोहरा।

धर्म-दर्शन

भोलाराम कांवड़ लेकर सड़क पर ही बैठ जाता है और पानी नीचे उतरने का, इंतजार करने लगता है। उसे बैठे चार घंटे ही हुए थे कि, अचानक एक एम्बुलेंस आकर खड़ी हो जाती है। एम्बुलेंस के अंदर मंत्री को ले जाया जा रहा था, लेकिन पुल टूटने की वजह से, एम्बुलेंस को रुकना पड़ता है, लेकिन जैसे ही मंत्री के काफिले को, पुल टूटने की खब्बर मिलती है तो, वह मंत्री जी के लिए, हेलिकॉप्टर भेज देते हैं। हेलीकॉप्टर पहुँचते ही, मंत्री जी के साथ साथ, वहाँ बैठे लोगों को भी, नदी के उस पार जाने का मौका मिल जाता है और उन्हीं लोगों के बीच में, भोलाराम भी अपनी कावड़ लेकर, हेलीकॉप्टर में बैठ जाता है और नदी पार कर लेता है। भोलाराम महाकाल को मन ही मन प्रणाम करता है और अपना सफर जारी कर देता है। ....शेष कल

संपादकीय

भारत का नजरिया

प्रधानमंत्री की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा के दौरान ऐसी कई अहम बातों पर ध्यान गया है, जिससे इस युद्ध में भारत के नजरिये को समझा जा सकता है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि भारत शांति चाहता है। वह इसके लिए जेलेंस्की और पूतिन की वार्ता की खातिर हरसंभव मदद करने को तैयार है। ग्लोबल साउथ का भारत लीडर है। इस बात को राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी मोदी की इस यात्रा के दौरान माना। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की काफी सराहना हुई है। इस यात्रा के दौरान भी भारत ने किसी देश का पक्ष नहीं लिया और ऐसी ही उनसे उम्मीद भी की जा रही थी। भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदने के अपने निर्णय का भी जोरदार ढंग से बचाव किया, जिसकी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आलोचना की थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि रूस से तेल की खरीद एक व्यावसायिक फैसला है, उसका कोई राजनीतिक पहलू नहीं है। भारत यूक्रेन युद्ध को लेकर पश्चिमी देशों के गलत नजरिये की पोल भी दुनिया के सामने खोलने में कामयाब रहा।

मोदी ने खुद को वहां एक ऐसे निष्पक्ष शांतिदूत के रूप में पेश किया, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय में प्रभाव रखते हैं। उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि वह पूतिन के साथ बातचीत करें। उन्होंने पूतिन से भी यही अपील की है।

शांति का सूरज

अमिताभ सिंह।।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुछ दिनों पहले पोलैंड और यूक्रेन की यात्रा पर गए थे। इसे यूरोपीय देशों के साथ व्यापक रिश्ते बनाने के लिहाज से निर्णायक कदम माना गया। इसकी सराहना भी हुई। यूक्रेन यात्रा पर मोदी ऐसे वक्त गए, जब भारत के सहयोगी रूस के साथ उसका युद्ध चल रहा है। मोदी की पोलैंड यात्रा भी ऐतिहासिक रही। वह पिछले 45 वर्षों में इस देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। इस दौरान संबंधित देशों के साथ कई सहमतियां बनीं, जिनसे व्यापारिक और आर्थिक साझेदारी बढ़ेगी और इससे भारत का मध्य यूरोपीय देशों में प्रभाव भी बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री पोलैंड से 10 घंटे की ट्रेन से यात्रा करके कीव पहुंचे। एक महीने पहले ही वह मॉस्को की यात्रा पर गए थे, जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन से उनकी मुलाकात हुई थी। कीव में मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक की। इसमें भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए जेलेंस्की को सीधे रूस से बातचीत करनी चाहिए। इस दौरान जेलेंस्की ने कहा कि इस युद्ध को रुकवाने में भारत अहम भूमिका निभा सकता है। हालांकि, जेलेंस्की ने मोदी की मॉस्को यात्रा की आलोचना की थी। तब मोदी

और पूतिन की एक दूसरे को गले लगाते हुए फोटो आई थी, जबकि उससे कुछ ही घंटे पहले रूस के एक मिसाइल अटैक से कीव में बच्चों के अस्पताल को नुकसान पहुंचा था और उसमें दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर आई थी।

मोदी ने खुद को वहां एक ऐसे निष्पक्ष शांतिदूत के रूप में पेश किया, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय में प्रभाव रखते हैं। उन्होंने जेलेंस्की से कहा कि वह पूतिन के साथ बातचीत करें। मोदी ने यह भी कहा कि उन्होंने पूतिन से भी यही अपील की है। भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि भारत शांति स्थापित करने के लिए किसी भी प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।' मोदी ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि हम सब जल्द से जल्द शांति का सूरज उदय होते हुए देखें।'

रूस (पहले सोवियत संघ) भारत का 50 वर्षों से भरोसेमंद सहयोगी रहा है। कश्मीर सहित कई विवादित मुद्दों पर उसने अंतराष्ट्रीय मंचों पर भारत का समर्थन किया है। आज भी भारत सालाना करीब 45 प्रतिशत डिफेंस हार्डवेयर का आयात रूस से करता है और उसी की तकनीक की मदद से हमारे कोई 85 प्रतिशत हथियार बने हुए हैं। इस लिहाज से भी रूस भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है।

9 जुलाई को मॉस्को में मोदी ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा, 'जब भी रूस शब्द सुनते हैं तो मन में यही भाव आता है कि वह और भारत एक दूसरे के सुख–दुख के साथी और भरोसेमंद दोस्त हैं।' साथ ही, उन्होंने राष्ट्रपति पूतिन को यह भी याद दिलाया कि 'चाहे युद्ध हो, कोई संघर्ष या आतंकवादी हमला, कोई भी व्यक्ति जो मानवता में यकीन रखता है, उसे लोगों की जान जाने का दुख होता है।' मोदी ने यह भी कहा, 'उसमें भी, अगर निर्दोष बच्चों की जान जाती है तो दिल से खून रिसता है और बहुत ही दर्द होता है।'

अष्टयोग-4913

7			3	6		2
	35		30	1	32	
4	1	5			7	3
	26	2	34	4	31	
2		7			6	
	29	4	40	5	34	6
5		3			2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4912 का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	39	1	29	6	26	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

Jagrutidaar.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

युद्ध का दौर नहीं

मोहन। भारत ने रूस की बलपूर्वक अंतरराष्ट्रीय सीमा को बदलने की कोशिशों का विरोध किया है, चाहे वह क्राइमिया का मामला हो या यूक्रेन के साथ मौजूदा युद्ध का। इस युद्ध के दौरान भी रूस ने यूक्रेन के करीब 18 प्रतिशत इलाके पर कब्जा किया हुआ है। अंतरराष्ट्रीय विवादों को हल करने के लिए मोदी डिप्लोमेसी की वकालत करते रहे हैं। 2022 के शंघाई को–ऑपरेशन समिट में भी उन्होंने पूतिन से कहा था, 'यह युद्ध का दौर नहीं है।' मोदी के इस बयान की उसके बाद से अक्सर चर्चा होती रही है। दरअसल, इस संघर्ष में भारत जब भी अपने रणनीतिक हित में कोई फैसला करता है तो पश्चिमी देश उसे इस तरह से पेश करते हैं, जैसे वह रूस के साथ खड़ा है। हालांकि, मोदी की यूक्रेन यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने संयमित रवैया अपनाया।

सिनेमाघरों में 25 साल बाद आ रही ऐश्वर्या राय–अनिल कपूर की फिल्म

पिछले कुछ समय से थिएटर्स में पुरानी और क्लासिक हिट फिल्मों को दोबारा रिलीज किया जा रहा है। ऐसा इसलिए ताकि दर्शक थिएटर्स में वापसी करें और उन्हें भी फायदा हो। अब तक रहना है तेरे दिल में, लैला मजनू, लव आजकल, रॉकस्टार, पार्टनर राजा बाबू और तुम्बाड़ जैसी फिल्में थिएटर्स में रि–रिलीज हो चुकी हैं। अब नया नाम फिल्म ताल का जुड़ा है। सुभाष घई की इस फिल्म की रिलीज को हाल ही 25 साल पूरे हुए। यानी इसने सिल्वर जुबली मनाई और इस मौके पर इसे दोबारा थिएटर्स में रिलीज किया जाएगा। ताल को 27 सितंबर को रि–रिलीज किया जा रहा है। साल 1999 में रिलीज हुई ताल में अनिल कपूर, ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना नजर आए थे। यह फिल्म तब थिएटर्स में 70 दिनों तक चली थी। इसने तब यानी 1999 में बॉक्स ऑफिस पर देशभर में 22.16 करोड़ और वर्ल्डवाइड 50.07 करोड़ रुपये कमाए थे। अभी तक जितनी भी पुरानी फिल्में दोबारा रिलीज हुई हैं, उन सभी ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। दर्शकों का भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। ऐसे में उम्मीद है कि ताल भी अच्छी कमाई कर सकती है। ताल को सिर्फ थिएटर्स में ही नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी देख सकते हैं। फिल्म में ऐश्वर्या राय और अक्षय खन्ना की लव स्टोरी दिखाई गई थी। वहीं अनिल कपूर, ऐश्वर्या के मंगेतर बने थे।

कृष्णा अभिषेक ने गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के बयान पर तोड़ी चुप्पी

इस बात से कोई अनजान नहीं है कि कृष्णा अभिषेक और गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के बीच अच्छा रिश्ता नहीं है। इनका रिश्ता अक्सर सुर्खियां बटोरता रहा है। कथित तौर पर, सुनीता ने दावा किया है कि उनका कृष्णा या उनकी पत्नी कश्मीरा के साथ अच्छा रिश्ता नहीं है और यही कारण है कि वह कपिल शर्मा के शो का हिस्सा नहीं रही हैं। इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद दावों पर प्रतिक्रिया दी। एक्टर ने कहा, श्मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं। मामी ने मुझे हमेशा अपने बच्चे की तरह प्यार किया है और मेरे लिए बहुत कुछ किया है। उन्हें मुझ पर गुस्सा होने का पूरा अधिकार है। मुझे पता है कि वह गुस्से में सब कुछ कहती हैं, मैं उनकी बात मान लूंगा, वह मेरी मामी हैं। सुनीता ने कहा, देखो, मैं तुम्हें एक बात बताऊंगी, मैं झूठ नहीं बोलूंगी, कृष्णा–कश्मीरा से मेरी नहीं बनती है...तो मैं शो करती, अगर वो लोग नहीं होते।

नवाजुद्दीन की वाइफ आलिया पर दोस्त ने लगाए ठगी के आरोप

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी आलिया एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार नवाजुद्दीन के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर नहीं बल्कि अपनी ही एक दोस्त के साथ ठगी मामले को लेकर। बताया जा रहा है कि आलिया ने फिल्म बनाने के बहाने अपनी दोस्त को लाखों रुपये की चपत लगा दी है और कहा जा रहा कि उधार लिए उन पैसों को वो लौटाने के मूड में भी नहीं दिख रहीं। बातचीत में पीड़िता ने अपने साथ हुई इस ठगी की कहानी खुद सुनाई है। दरअसल कोमल सेठ नाम की महिला नवाजुद्दीन की वाइफ से अपने–अपने बच्चों की वजह से जुड़ी हैं। कोमल ने बताया कि साल 2016 से वे एक–दूसरे को जानती हैं और दोनों के बच्चे एक ही स्कूल में पढ़ते थे। ये जान–पहचान जल्द ही दोस्ती में बदल गई और उनका एक–दूसरे के घर भी आना–जाना शुरू हो गया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि साल 2019 में आलिया ने रोते हुए कुछ पर्सनल प्रॉब्लम का जिक्र किया और उनसे पैसे मांगे। कोमल ने बताया कि चूंकि उसी दौरान उन्होंने अपना घर बेचा था इसलिए उन्होंने 25 लाख रुपये उन्हें देकर दोस्त के तौर पर मदद का हाथ बढ़ाया। कोमल ने बताया कि इसके बाद एक फिल्म श्होली काउश को पूरी करने के बहाने आलिया ने फिर फिर गिड़गिड़ाते हुए पैसे मांगे और उन्होंने इस बार भी उन्हें 21 लाख रुपये दे दिए। यानी आलिया को उन्होंने कुल 46 लाख रुपये की मदद की।

पिता को आखिरी विदाई देते हुए फफक पड़े हिमेश रेशमिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बॉलीवुड के नामी प्लेबैक सिंगर और म्यूजिक डायरेक्टर हिमेश रेशमिया के पिता विपिन रेशमिया अब इस दुनिया में नहीं रहे। जिस पिता ने जन्म दिया और पाल पोसकर अपने बेटे को इतना बड़ा किया, अब उन्हें आखिरी विदाई देने का वक्त आ गया था। पिता के अंतिम संस्कार पर हिमेश रेशमिया गम में सराबोर दिखे और फफकते नजर आए। हिमेश के पिता को अंतिम विदाई देने के लिए इंडस्ट्री से कई और लोग पहुंचे थे, जिसमें फराह खान, साजिद खान, यूलिया वंतूर, सिंगर शान जैसे तमाम सिलेब्रिटीज पहुंचे थे। बता दें कि 87 साल के म्यूजिक डायरेक्टर विपिन रेशमिया को 18 सितंबर की रात हॉस्पिटलाइज कराया गया था और देर रात उनका निधन हो गया। मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। आज गुरुवार को करीब 11 बजे ओशिवारा श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया और इस मौके से हिमेश की तस्वीरें काफी इमोशनल करने वाली हैं।

श्रद्धांजलि देने के लिए बॉलीवुड से पहुंचे से सिलेब्रिटीज

हिमेश के पिता को उनके इस अंतिम यात्रा पर श्रद्धांजलि देने के लिए बॉलीवुड से उनके सभी नजदीकी दोस्त और अपने पहुंच गए। इस दुख के समय में उन्हें अंतिम विदाई देने और हिमेश को सांत्वना देने के लिए सिंगर शान, फराह खान, किश्वर मर्चेंट और यूलिया वंतूर, साजिद खान जैसे कई लोग शामिल हुए। हर तरफ मायूसी और सन्नाटे के बीच पिता को हमेशा के लिए खोने का गम बेटे की आंखों से आंसू बनकर बह रहा था।

विपिन रेशमिया सांस लेने में तकलीफ से जूझ रहे थे

बताया गया है कि विपिन रेशमिया सांस लेने में तकलीफ और उम्र संबंधित समस्याओं से जूझ रहे थे। विपिन रेशमिया ने म्यूजिक की दुनिया में आने से पहले एक टेलीविजन धारावाहिक के प्रड्यूसर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। उसके बाद उन्होंने तेरा सुरूर, द एक्सपोज और इंसाफ की जंग के लिए प्रड्यूसर का काम किया। विपिन रेशमिया के द एक्सपोज और तेरा सुरूर फिल्मों में उनके बेटे हिमेश रेशमिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, विपिन ने इंसाफ का सूरज नाम की फिल्म के लिए म्यूजिक कम्पोज किया था।

पिता के जरिए ही हिमेश की सलमान से हुई थी मुलाकात

विपिन रेशमिया के जरिए ही सलमान की मुलाकात हिमेश रेशमिया से हुई थी। जिसके बाद सलमान ने हिमेश रेशमिया को श्प्यार किया तो डरना क्याश का म्यूजिक देने का मौका दिया था।

बेटे के लिए पिता ने त्याग दिया था अपना सपना

हिमेश रेशमिया के पिता विपिन एक संगीतकार थे, जिन्होंने अपनी विरासत अपने बेटे को दी। विपिन ने हिमेश के करियर में अहम भूमिका निभाई। हिमेश पिता को अपना गुरु भी मानते थे। उन्होंने एक बार एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें अपने बेटे की संगीत प्रतिभा पर कितना गर्व था, जिसकी वजह से उन्होंने संगीत निर्देशक बनने का अपना सपना छोड़ दिया और हिमेश को संगीत सिखाने पर जोर दिया।

लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने अपनी आवाज दी थी

साल 2021 में इंस्टाग्राम पर हिमेश ने अपने पिता की संगीत विरासत का एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया था। उन्होंने बताया कि विपिन रेशमिया ने एक गाना बनाया था जिसमें दिग्गज सिंगर लता मंगेशकर और किशोर कुमार ने अपनी आवाज दी थी। अफसोस की बात है कि यह गाना कभी रिलीज नहीं हुआ।

अनुष्का शर्मा को था अपनी खूबसूरती पर घमंड

अनुष्का शर्मा का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि एक्ट्रेस बनने से पहले वो बहुत घमंडी किस्म की थीं। आदित्य चोपड़ा ने उन्हें आईना दिखा दिया। करण जौहर को उनका लुक्स पसंद नहीं था और वो बनने से पहले ही उनका करियर चौपट करने में जुट गए थे।

मैं स्कूल में ज्यादा लोगों से बात नहीं करती थी

अनुष्का ने कहा, श्एक्ट्रेस बनने से पहले मैं बहुत घमंडी थी। मैं स्कूल में ज्यादा लोगों से बात नहीं करती थी और न घुलती–मिलती। मैं सच में बहुत घमंडी थी। मेरी मां कहती हैं कि वह बहुत खुश हैं कि मैं एक्ट्रेस बनी। क्योंकि जब मैं एक्ट्रेस बनी तो आदित्य चोपड़ा ने मुझे सच्चाई का एहसास कराया। कोयल पुरी को दिए अपने इंटरव्यू में अनुष्का ने कहा,श्इस मुलाकात में आदित्य चोपड़ा ने मुझसे कहा कि तुम ये फिल्म कर रही हो, लेकिन तुम सबसे गुड लुकिंग लड़की नहीं हो। तब तक मैं समझती थी कि मैं सबसे गुड लुकिंग गर्ल हूं। मेरे दिमाग में यही था कि मैं सबसे गुड लुकिंग गर्ल हूं।

करण जौहर ने अनुष्का का करियर खत्म करने की कोशिश की

हालांकि आदित्य चोपड़ा को अनुष्का शर्मा पर पूरा भरोसा था, लेकिन उनके सबसे अच्छे दोस्त करण जौहर उनके लुक्स को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं थे। बताया जाता है कि करण जौहर ने तो उनके करियर को शुरू होने से पहले ही खत्म करने की कोशिश की। साल 2016 के ड।ड्प मुंबई फिल्म फेस्टिवल में करण ने ये माना था कि उन्होंने आदित्य से अनुष्का को कास्ट न करने और इसके बजाय किसी दूसरी एक्ट्रेस को लेने की सलाह दी थी।

करण ने कहा- मुझे लगा तुम इसे साइन कर रहे हो, तुम पागल हो!

उन्होंने कहा था, मैं अनुष्का शर्मा के करियर को पूरी तरह से खत्म करना चाहता था। क्योंकि जब आदित्य चोपड़ा ने मुझे उनकी फोटो दिखाई तो मैंने सोचा, नहीं, नहीं, पागल हो क्या, तुम इसे साइन कर रहे हो, तुम पागल हो! तुम्हें इस अनुष्का शर्मा को साइन करने की कोई जरूरत नहीं है। उस समय एक और लीड एक्ट्रेस थी और मैं चाहता था कि आदित्य उन्हें साइन करे। मैं पूरी तरह से पर्दे के पीछे था और उसे पूरी तरह से खत्म करना चाह रहा था। मैं बहुत बेमन से रब ने बना दी जोड़ी देख रहा था। फाइनली ये फिल्म ब्लॉकबस्टर बन गई।

बाहर निकली हुई तोंद को अंदर करने के लिए सुबह पिएं ये ड्रिंक्स

अगर आप अपने बाहर निकले हुए पेट से परेशान हैं तो हम आपको कुछ ऐसे ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे जिनसे बहुत की कम समय में आपको बैली फैट बर्न करने में मदद मिलेगी और आपका वजन भी कंट्रोल रहेगा।

ब्लैक कॉफी
ब्लैक कॉफी में मौजूद कैफीन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। यदि वर्कआउट के पहले इसका सेवन किया जाए तो यह फैट बर्न की प्रक्रिया को भी बढ़ावा देता है। ब्लैक कॉफी भूख को कम करने में भी मदद करती है जिससे वेट लॉस करना आसान हो जाता है।

नींबू पानी
नींबू पानी में कैलोरी की मात्रा कम होती है। ऐसे में अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो नींबू पानी का सेवन करना आपके लिए बहुत ही फायदेमंद रहेगा। नींबू में विटामिन सी होता है और यह पाचन तंत्र के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। सुबह गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीने से बॉडी डिटॉक्सिफाई होती है और वजन भी कंट्रोल रहता है।

ग्रीन टी
ग्रीन टी में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं और यह मोटाबॉलिज्म को भी बढ़ावा देता है। इससे तेजी से फैट बर्न करने में मदद मिलती है। खासतौर पर पेट की चर्बी को घटाने में ग्रीन टी सहायक होती है। ग्रीन टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट वेट लॉस करने में मदद करते हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है और इसमें मौजूद कंपाउंड फैट बर्न करने वाले हार्मोन्स को सक्रिय करते हैं।

एप्पल साइडर विनेगर
सेब के सिरके को एप्पल साइडर विनेगर भी कहा जाता है। यह एक्स्ट्रा कैलोरी को बर्न करता है, खासतौर पर बैली फैट को कम करने में एप्पल साइडर विनेगर मदद करता है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड बढ़ते वजन को कम करता है। पेट के लिए भी एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसमें भारी मात्रा में एंटीबायोटिक होते हैं जो पेट में समस्या पैदा करने वाले बैक्टीरिया को कम करते हैं।

मेथी का पानी
मेथी में कैल्शियम, आयरन, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन डी आदि जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। मेथी को भिगोकर उसका पानी रोजाना सुबह पीने से कई फायदे मिलते हैं। इससे भूख को कंट्रोल करने में मदद मिलती है, साथ ही यह मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर बनाता है। मेथी का पानी पीने से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। यह ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल रखता है।

क्या आप भी हैं थायराइड की समस्या से परेशान, रोजाना पिएं इन पत्तियों का रस

थायराइड को जड़ से खत्म करने के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा सबसे बेहतर तरीका है। डॉ निधि धवन, एच ओ डी डायटिक्स ,सरोज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ,दिल्ली के मुताबिक,अगर आप थाइरॉइड लेवल को कंट्रोल करना चाहते हैं तो कुछ असरदार पत्तियों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आइए जानते वो उन पत्तियों के बारे में, जो इस समस्या के लेवल को मैनेज करने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा थायराइड को कंट्रोल करने के लिए धनिया के बीज का पानी भी मददगार साबित हो सकता है। इसको इस्तेमाल करने के लिए रात भर के लिए एक गिलास पानी में दो चम्मच धनिया को भिगोकर रख दें और सुबह इसका सेवन करें। इससे पाचन भी दुरुस्त होता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हरे धनिया के पत्ते थायराइड के स्तर को नियंत्रित करने में सहायता कर सकते हैं। धनिया के पत्तों में विटामिन ए, सी और विटामिन की भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो थायराइड स्तर का संतुलन बरकरार रखने में मदद करते हैं। धनिया के पत्तों में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाव में मदद करते हैं। थायराइड से जुड़ी बीमारी के दौरान हड्डियों में आसहनीय दर्द होता है, जिससे राहत दिलाने में धनिया के पत्तों का जूस काफी फायदेमंद हो सकता है। तुलसी और एलोवेरा दोनों ही शक्तिशाली पत्ते हैं।

दिल के मरीज को क्यों ज्यादा पानी नहीं पीना चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हमारे हृदय का मुख्य कार्य होता है शरीर में ब्लड को पंप करना। ब्लड पंप की वजह से हर अंग तक पोषक तत्व और ऑक्सीजन पहुंच पाता है। लेकिन जिन लोगों का दिल कमजोर होता है। उनका दिल यह काम सही से नहीं कर पता है और बॉडी फ्लूइड प्रभावी रूप से पंप ना होने के कारण यह कई अंगों में जमा होने लगता है। अगर शरीर में ज्यादा तरल पदार्थ है तो यह पेट फेफड़े और भी जगह पर इकट्ठा होने लगता है।

डॉक्टर्स से जानें सही सलाह
डा. एस.एस. सिबिया, सिबिया मेडिकल सेंटर , लुधियाना के अनुसार दिल के मरीजों को एक निश्चित मात्रा में पानी पीना चाहिए। डेढ़ से 2 लीटर प्रतिदिन पानी पीना दिल के मरीज के लिए पर्याप्त है। सिर्फ पावी ही नहीं बल्कि और भी तरल पदार्थ जैसे दूध, सूप इत्यादि का सेवन भी कम मात्रा में ही करना चाहिए। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दिल के मरीजों को अपने शरीर के हर अंग पर नजर रखनी चाहिए। कभी–कभार घुटनों या हाथों में सूजन नजर आने लगते हैं। यह शरीर में पानी जमा होने का संकेत हो सकता है। हृदय विशेषज्ञ दिल के मरीजों को कम नमक का सेवन करने के लिए कहते हैं। नमक का सेवन सीमित करने की वजह से तरल पदार्थ के जमा होने की प्रक्रिया को कम किया जा सकता है। आईए जानते हैं ज्यादा पानी पीने से होने वाले खतरों के बारे में।

तरल पदार्थ का जमा होना
दिल के मरीजों में हार्ट के पंप करने की क्षमता कम हो जाती है। इस कारण अगर अधिक पानी या तरल पदार्थ का सेवन किया जाए तो शरीर से तरल पदार्थ पूरी तरीके से निष्कासित नहीं हो पाता

और फ्लूइड ओवरलोड की समस्या उत्पन्न होती है। इस कारण शरीर में सूजन होने लगती है और भी कई अन्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

फेफड़ों में पानी का जमाव
बहुत ज्यादा पानी पीने से पानी फेफड़ों में जमा होने लगता है, जिससे सांस लेने में दिक्कत महसूस होती है। पानी अगर फेफड़े में जमा हो जाए तो ऑक्सीजन लेने की क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है, जिस वजह से खांसी, घबराहट और भी कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं ।

हाई ब्लड प्रेशर
जब शरीर में पानी अधिक हो जाए और दिल के पंप करने की क्षमता कम हो तो उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो सकती है। अगर ब्लड प्रेशर को अनियंत्रित हो जाए तो स्ट्रोक आने का भी खतरा बन सकता है।

असंतुलित इलेक्ट्रोलाइट्स
अधिक पानी पीने की वजह से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स असंतुलित हो जाते हैं क्योंकि सोडियम का स्तर कम होने लगता है। अगर शरीर में सोडियम का संतुलन ठीक ना हो तो नर्वस सिस्टम यानी तंत्रिका तंत्र और मस्तिष्क की कारक क्षमता प्रभावित होती है, जिस वजह से कमजोरी और मानसिक भ्रम जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। कई बार हम चीजों रखकर या कोई भी बात बहुत आसानी से भूल जाते हैं। यह इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण ही होता है। इसलिए डॉक्टर दिल के मरीजों को बहुत ज्यादा पानी पीने से बचने की सलाह देते हैं।

दिल की स्थिति हो सकती है खराब
बहुत ज्यादा पानी पीने से शरीर में रक्त की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पंप करने के लिए हमारे दिल को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। हमारा दिल जितना ही ब्लड पंप करेगा। उतना ज्यादा उस पर जोर पड़ेगा। दिल के मरीजों में दिल की क्षमता वैसे भी कम होती है और फ्लूइड ओवरलोड के कारण दिल और भी कमजोर होने लगता है। अतिरिक्त दबाव के कारण इसकी पंपिंग क्षमता और भी खराब हो सकती है।

किचन में गलत तरीके से तो नहीं करतीं काम, जानें सही कुकिंग स्किल

पहले महिलाओं को कमर, घुटनों या जोड़ों में दर्द की शिकायत 50–60 की उम्र में शुरू होती थी, लेकिन अब ये समस्याएं 40 की उम्र के बाद से ही शुरू होने लगी हैं। आखिर इसकी वजह क्या है? मुंबई के वेदा हेल्थब्लिस आयुर्वेदा के फाउंडर डॉ. राहुल मारवाह के अनुसार, इसकी सबसे बड़ी वजह महिलाओं में बढ़ता मोटापा है। मोटापे के कारण लंबे समय तक खड़े रहने पर कमर, घुटनों और टखनों में दर्द होने लगता है। एक कारण महिलाओं का लंबे समय तक किचन में खड़े रहना भी है। महिलाएं अपना ज्यादा समय किचन में बिताती हैं। दिन में 3 से 4 बार खड़े होकर खाना बनाने से महिलाओं को गर्दन, पीठ और घुटनों में दर्द की तकलीफ होने लगती है। किचन में काम करने का तरीका बदलकर महिलाएं इन तकलीफों से आसानी से बच सकती हैं। आपकी मां बड़े प्यार से सबके लिए रोज खाना बनाती हैं। इसके लिए वो घंटों किचन में मेहनत करती हैं। लंबे समय तक किचन में खड़े रहकर काम करने से अगर उन्हें गर्दन, कमर या घुटनों में दर्द रहने लगा है तो आप उनकी मदद करें।

दुनिया की सारी सब्जियों से ज्यादा दमदार है इस चीज का 1 टुकड़ा

विटामिन और मिनरल्स में सबसे ज्यादा कमी विटामिन डी और बी12 की मिलती है। यह दोनों विटामिन शरीर के बुनियादी ढांचे के लिए आवश्यक होते हैं। जहां विटामिन डी की कमी हड्डियों और दिमाग पर अटैक करती है, वहीं विटामिन बी12 की कमी नर्वस सिस्टम और ब्लड कंपोनेंट को नुकसान पहुंचाने लगती है। ये दोनों जरूरी विटामिन एकसाथ बहुत मुश्किल से मिलते हैं। हरी सब्जियों में तो इनकी भारी कमी होती है। मगर एक फूड इतना ताकतवर है कि यह दोनों विटामिन को एकसाथ देता है। इतना ही नहीं आपको 7 दूसरे जरूरी विटामिन भी मिलते हैं। साथ ही प्रोटीन, ओमेगा फैटी एसिड, आयरन, कैल्शियम जैसे न्यूट्रिएंट भी हैं। मछली को विटामिन वाले फूड्स में सबसे ऊपर मानता है। यह 14 में से 9 आवश्यक विटामिन देता है। इसमें विटामिन ए, बी1, बी2, बी3, बी5, बी6, बी12, विटामिन डी, विटामिन ई होता है। मछलियों की सारी किस्मों में भी टूना और ट्राउट मछली सबसे ज्यादा न्यूट्रिएंट देती हैं। दिमाग जिंदगी भर जानकारियों को ग्रहण और इकट्ठा करता रहता है। इसके लिए ब्रेन फंक्शन सही होना बहुत जरूरी है। विटामिन ई और ओमेगा फैटी एसिड इसमें मदद करते हैं। यह दोनों न्यूट्रिएंट आपको फिश खाने से मिल जाएंगे। इसे खाकर याददाश्त बढ़ती है और डिप्रेशन के लक्षण कम होते हैं। आजकल सबसे ज्यादा मौत स्ट्रोक और दिल की बीमारी से होती हैं।

ये मुकाम हासिल करने वाले 17वें बल्लेबाज

भारत के लिए राहुल ये मुकाम हासिल करने वाले 17वें बल्लेबाज हैं। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे खिलाड़ियों के नाम हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में शुरू होगा। राहुल उम्मीद करेंगे कि वह इस मैच में बड़ी पारी खेलें।

28 मिनट में ही केएल राहुल में छुआ अनोखा मुकाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। केएल राहुल इस समय आलोचकों के निशाने पर हैं। उनका बल्ला उनका साथ नहीं दे रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में केएल राहुल फेल रहे थे। दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 22 रन बनाए। लेकिन इस छोटी सी पारी के दौरान राहुल ने इंटरनेशनल क्रिकेट में खास मुकाम हासिल कर लिया। राहुल दूसरी पारी में शतकवीर ऋषभ पंत की जगह बल्लेबाजी करने आए थे। भारत ने दूसरी पारी चार विकेट के नुकसान पर 287 रनों पर घोषित कर दी और बांग्लादेश को 515 रनों का लक्ष्य दिया। राहुल 19 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 22 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल ने सिर्फ 28 मिनट बल्लेबाजी। राहुल ने 22 रनों की पारी में अपने करियर में एक अहम मुकाम हासिल कर लिया है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 8000 रन पूरे कर लिए हैं। राहुल के अब टेस्ट मैचों में 2901 रन हो गए हैं। वनडे में उनके नाम 2851 रन और टी20 में 2265 रन हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में अब राहुल के कुल 8017 रन हो गए हैं। राहुल के बल्ले से बीते कुछ दिनों से बड़ी पारी नहीं निकली है जिसके चलते उनकी आलोचना हो रही है।

पंत ने 109 तो गिल ने खेली 119 रन की पारी

क्रिकेट

भारत ने 287/4 रन पर घोषित की दूसरी पारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट की दूसरी पारी भारत ने 287/4 रन पर घोषित कर दी। ऐसे में बांगलदेश को जीत के लिए 515 रन का टारगेट मिला है।

भारत ने ऋषभ पंत और शुभमन गिल के शतक की बदौलत दूसरी पारी में 287 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज पंत ने 128 गेंदों पर 109 रन की पारी खेली। वहीं शुभमन गिल ने 176 गेंदों पर नाबाद 119 रन बनाए। भारत की दूसरी पारी में अन्य किसी प्लेयर का बल्ला नहीं चला। सलामी बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 17 गेंदों पर 10 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 7 गेंदों पर 5 रन की पारी खेली। विराट कोहली दूसरी पारी में भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। उन्होंने 37 गेंदों का सामना किया और 17 रन बनाए। केएल राहुल 19 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय क्रिकेट टीम और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के बीच चेपॉक में खेले जा रहे पहले टेस्ट में ऋषभ पंत ने शतक ठोका। लंबे समय वापस क्रिकेट के इस फॉर्मेट में वापसी करने वाले पंत ने 128 गेंदों पर 109 रन की पारी खेली। यह विकेटकीपर बल्लेबाज पंत के टेस्ट करियर की छठी सेंचुरी है। इसके साथ ही वह टेस्ट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

पंत ने टेस्ट की 58 पारियों में 6 शतक लगाए है। दूसरी ओर महेंद्र सिंह धोनी ने 6 टेस्ट शतक के लिए 144 पारियों का सहारा लिया था। ऐसे में पंत ने अपने गुरु धोनी को इनिंग के मामले में पीछे छोड़ दिया है।

भारत के अन्य विकेटकीपर बल्लेबाजों के टेस्ट शतक की बात करें तो रिद्धिमान साहा ने 54 पारियों में 3 शतक लगाए। इसके अलावा बुद्धि कुंदरन ने 28, फारुख इंजीनियर ने 87 और सैयद किरमानी ने 124 पारियों में 2–2 शतक लगाए थे।

शुभमन गिल ने जमाया टेस्ट करियर का पांचवां शतक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में गजब का बल्ला चलाया है और बांग्लादेश के खिलाफ शतक ठोक दिया है। गिल ने तीसरे दिन शनिवार को दूसरे सेशन में अपना शतक पूरा किया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज का ये पांचवां शतक है। इसके साथ ही गिल ने बताया कि दूसरी पारी में उनका कोई तोड़ नहीं है।

पहली पारी में बिना खाता खोले पवेलियन लौटने वाले गिल ने दूसरी पारी में सूझबूझ भरी पारी खेली। रोहित शर्मा और विराट कोहली के जाने के बाद गिल ने जिम्मेदारी ली और ऋषभ पंत के साथ मिलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। गिल ने ये शतक चेन्नई के चेपॉक में ठोका है जो भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का दूसरा घर कहा जाता है। धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं।

पंत और गिल ने चौथे विकेट के लिए 167 रनों की साझेदारी की। पंत ने भी इस पारी में शतक जमाया। दोनों मिलकर टीम इंडिया की बढ़त को 400 के पार पहुंचा दिया। इस दौरान गिल ने अपनी बेहतरीन क्लास बल्लेबाजी भी दिखाई और खूबसूरत शॉट्स मारे। मौका मिलने पर उन्होंने लंबे शॉट्स भी लगाए। गिल ने 161 गेंदों का सामना किया। शतक पूरा करने तक उन्होंने नौ चौके और तीन छक्के मारे।

गिल का पिछले पांच टेस्ट मैचों में तीसरा शतक है जिसमें से दो शतक तो उन्होंने दूसरी पारी में मारे हैं। गिल का बल्ला दूसरी पारी में जमकर चलता है। पिछले पांच टेस्ट मैच देखें तो गिल ने दूसरी पारी में चार बार 50 से ज्यादा का स्कोर किया। वहीं एक मौके पर उनकी बैटिंग नहीं आई थी। ये बताता है कि दूसरी पारी में गिल का बल्ला जमकर चल रहा है।

22 साल के लड़के ने बाबर के रिकॉर्ड के चीथड़े उड़ा दिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शारजाह। वाइट बॉल क्रिकेट में पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम को पाकिस्तानी बैटिंग ग्रेट कहते हैं। उन्हें हमेशा पलकों पर बिठा कर रखते है। उन्हें किंग कहते हैं। हालांकि बाबर आजम का अब एक खास रिकॉर्ड 23 साल से भी कम के खिलाड़ी ने तोड़ डाला। उनके रिकॉर्ड की चीथड़े उड़ा दिए। हम बात कर रहे हैं 22 साल के अफगानिस्तान के स्टार ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज की, जिन्होंने शारजाह में इतिहास रचा।

दरअसल, इस वक्त अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच 3 मैच की वनडे सीरीज खेली जा रही है। 20 सितंबर को इस सीरीज का दूसरा वनडे खेला गया, जिसमें रहमानुल्लाह गुरबाज छा गए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में 110 गेंद का सामना कर 95 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 105 रन की गजब शतकीय पारी खेली।

न्यूज डायरी :

इधर फील्डर लगाओ भाई, ऋषभ पंत ने बांग्लादेश के लिए लगाई फील्डिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऋषभ पंत मैदान पर हों और उनका मुंह बंद रहे ऐसा हो नहीं सकता। वह विकेटकीपिंग करते हुए और बैटिंग करते हुए लगातार बोलते रहते हैं। लेकिन इस बार पंत ने जो किया वो कल्पना से परे है। चेन्नई में भारत और बांग्लादेश के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को पहले सेशन में पंत ने बांग्लादेश के लिए फील्डिंग सेट की। पंत विकेट पर पैर जमा चुके हैं और लगातार रन बना रहे हैं। अर्धशतक पूरा होने के बाद तो पंत ने तूफानी अंदाज दिखाया और बांग्लादेशी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। इसी दौरान वह बांग्लादेशी कप्तान और गेंदबाज को फील्डर लगाने के लिए कहते नजर आए। पंत और शुभमन गिल ने विकेट पर पैर जमा लिए हैं और दोनों बांग्लादेश के लिए काल बन चुके हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो अपने गेंदबाज के साथ फील्डिंग सेट कर रहे थे। तभी स्ट्राइक पर खड़े पंत ने बीच में दखल दिया और शांतो से कहा, एक फील्डर यहां आएगा भाई, यहां पे लगाओ। पंत शॉर्ट मिडविकेट की तरफ इशारा करते हुए ये बात कह रहे थे। हैरानी की बात ये रही कि पंत के कहने पर शांतो ने वहां फील्डर लगा भी दिया। सोशल मीडिया पर पंत का ये वीडियो वायरल हो रहा है। भारत ने पहले टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन पर घोषित करके बांग्लादेश को 515 रन का लक्ष्य दिया।

इमरजिंग एशिया कप में टकराएंगी भारत और पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का इंतजार पूरे क्रिकेट जगत को होता है। ये क्रिकेट की दुनिया की सबसे पुरानी राइवलरी है। जून में ये दोनों टीमें टी20 वर्ल्ड कप–2024 में भिड़ी थीं. अब एक बार इन दोनों टीमों की टक्कर होने जा रही है। दोनों टीमें इमरजिंग एशिया कप में एक–दूसरे के खिलाफ उतरेंगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इमरजिंग एशिया कप के शेड्यूल का एलान कर दिया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 18 अक्तूबर से हो रही है जिसमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, ओमान, हॉन्ग कॉन्ग, यूएई की टीमें हिस्सा लेंगी। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें भी टकराएंगी। दोनों टीमों के बीच महामुकाबला 19 अक्टूबर को खेला जाएगा। ये दोनों टीमों का टूर्नामेंट का पहला मैच होगा। भारत इसके बाद 21 अक्तूबर को यूएई से भिड़ेगा। 23 तारीख को टीम इंडिया का सामना ओमान से होगा। भारत मौजूदा विजेता तौर पर इसमें उतरेगा। टीम इंडिया ने सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के सभी मैच ओमान में खेले जाएंगे।

ऋषभ पंत को आउट समझकर बैटिंग करने जा रहे थे केएल राहुल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नई। 30 दिसंबर 2022 की रात कार हादसे के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले ऋषभ पंत ने सिर्फ 124 गेंद में छठा टेस्ट शतक जड़ दिया। उन्होंने किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक टेस्ट शतक के महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। पंत ने 13 चौके और चार छक्के की मदद से 109 रन बनाए। इस दौरान कैमरे में कुछ ऐसा कैद हुआ, जिसे देखकर किसी की भी हंसी छूट जाएगी। दरअसल, भारत ने पहले टेस्ट के तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 287 रन पर घोषित करते हुए बांग्लादेश को 515 रन का विशाल लक्ष्य दिया। अपने दूसरे दिन के स्कोर तीन विकेट पर 81 रन से आगे खेलने वाली भारतीय टीम के लिए ऋषभ पंत ने 109 और शुभमन गिल ने नाबाद 119 रन बनाए। शतक जड़ने से पहले शाकिब–अल–हसन की गेंद पर कप्तान नजमुल–हसन–शांतो ने ऋषभ पंत का एक आसान सा कैच टपका दिया। भारत की दूसरी पारी के 49वें ओवर की छठी गेंद पर ऋषभ पंत ने स्लॉग स्वीप शॉट खेलने के कोशिश की। शॉट मिस टाइम था, जिससे गेंद काफी देर तक हवा में थी। हर किसी को यही लग रहा था कि मिडविकेट पर तैनात नजमुल–हुसैन–शांतो इसे लपक लेंगे। यहां तक कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में बैठे अगले बल्लेबाज केएल राहुल क्रीज पर ऋषभ पंत की जगह लेने के लिए कुर्सी से उठ गए, लेकि शांतो ने कैच छोड़ दिया और राहुल वापस बैठ गए। सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि राहुल के बगल में मौजूद मोहम्मद सिराज कैसे मुंह दबाकर हंस रहे हैं।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने वरिष्ठ पत्रकार रघुवीर सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त किया

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार रघुवीर सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार जनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने भी वरिष्ठ पत्रकार रघुवीर सिंह के निधन पर दुख व्यक्त किया। दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की उन्होंने कामना की।

केवल शिक्षित ही नहीं संस्कारवान नागरिक बनाना है उद्देश्यः बिष्ट

संवाददाता देहरादून। वुसंधरा संस्था की ओर से रायपुर विकासखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय लखोंड में छात्र–छात्राओं के लिए गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। शनिवार को विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिघथि पूर्व माध्यमिक घशिक्षा निदेशक महाबीर बिष्ट व खंड घशिक्षा अघधिकारी पीएल भारती ने किया। एमएस बिष्ट ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ बच्चों को शिघक्षित करना नहीं बघल्कि संस्कारवान नागरिक बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों को स्वरोजागर के प्रति जागरुक भी किया जाना चाहिए। वसुंधरा संस्था की प्रियंका नेगी, रीता सेमवाल व सरिता पेटवाल ने कहा कि उनका उद्देश्य जरूरतमंदों को हर संभव मदद करना है।

दिव्यांगों के लिए रोजगार मेला, 50 को मिली नौकरी

संवाददाता देहरादून। राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान, सार्थक एजुकेशन ट्रस्ट और एनएबीईटी की ओर से शनिवार को दिव्यांगजनों के लिए रोजगार मेले का आयोजन निपवेड में किया गया। निदेशक इंजी. मनीष वर्मा ने दिव्यांगजनों को बधाई दी। कहा कि यह मेला न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करने का एक मंच है, बल्कि यह हमारे दिव्यांगजनों को उनके आत्म–सम्मान और आत्मविश्वास को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

रोडवेज एम्पलाई यूनियन ने मांगों को लेकर दिया धरना

संवाददाता देहरादून। रोडवेज एम्पलाई यूनियन के कर्मचारियों ने शनिवार को सहायक महाप्रबंधक से छह सूत्रीय मांगों को लेकर वार्ता की। विफल रहने के बाद कर्मचारी सहायक महाप्रबंधक कार्यालय ग्रामीण डिपो आईएसबीटी के समक्ष धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि पूर्व में किए गए समझौते का पालन होना चाहिए। सभी संगठनों के परिचालकों को समान रूप से ड्यूटी लगाने, वोल्वो बसों में निगम मुख्यालय आदेश के अनुसार नियमित परिचालकों की डयूटी लगाने समेत अन्य मांगों को प्रमुखता से उठाया।

पुलिस के पास शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखने की बड़ी चुनौतीः सीएम

विमोचन

■ मुख्यमंत्री ने पूर्व डीजीपी श्री अनिल रतूड़ी की पुस्तक "खाकी में स्थितप्रज्ञ" का किया विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सर्वे चौक, देहरादून स्थित आईआरडीटी सभागार में उत्तराखण्ड के पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री अनिल रतूड़ी द्वारा लिखित पुस्तक "खाकी में स्थितप्रज्ञ" का विमोचन किया। अनिल रतूड़ी ने यह पुस्तक एक आईपीएस अधिकारी के रूप में अपने संस्मरण एवं अनुभव के आधार पर लिखी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अनिल रतूड़ी द्वारा इस पुस्तक के माध्यम से एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने सेवाकाल के संस्मरणो, अनुभवों और चुनौतियों को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि सफलता और असफलता दोनों में एक समान रहना स्थितप्रज्ञ है। यह पुस्तक सेवा में आ रहे लोगों को निर्णय लेने में मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमें एहसास होता है कि धरा पर कोई हमारा साथ देने वाला नहीं, तब हम धरातल से ऊपर उठकर सीधे प्रभु से संबंध वाली स्थिति में आते हैं, यह भी स्थितप्रज्ञ है। ऐसा प्रभु की कृपा से ही संभव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिल रतूड़ी ने एक सफल और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में कार्य किया। रतूड़ी दंपति ने अपने कार्यों और व्यवहार से उत्तराखण्ड में ही नहीं बल्कि देश में अपना एक विशेष स्थान बनाया। दोनों ने साधारण रहते हुए जनहित में असाधारण कार्य कर अपनी अलग साख बनाई। अपने सेवाकाल के दौरान श्री अनिल रतूड़ी ने अनेक बार कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य में कर्म करते हुए अपने मन को शांत रखते हुए लक्ष्य प्राप्त करने का गुण होना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस के पास शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखने की बड़ी चुनौती होती है। हर चुनौती का सामना करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ संयम का होना भी जरूरी होता है। यह एक ऐसी यात्रा है जिसमें अनेक उतार–चढ़ाव और चुनौतियां आती हैं, इसमें विपरीत परिस्थितयों में नैतिकता और धैर्य बनाये रखना जरूरी है। आज पुलिस के पास आधुनिक तकनीक है। पहले सीमित संसाधन होते हुए भी पुलिस को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था।

"खाकी में स्थितप्रज्ञ" पुस्तक के लेखक श्री अनिल रतूड़ी ने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने पुलिस अधिकारी के रूप में साढ़े तीन दशक के अनुभव के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण संस्मरणों, अनुभवों और चुनौतियों का वर्णन करने का प्रयास किया है। इस पुस्तक के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि हमारे नये अधिकारी कैसे चुनौतियों का सामना कर धैर्य से अपने कार्यपथ पर आगे बढ़े और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी कर्तव्यनिष्ठा और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर कर सकें।

दून पुलिस में 4 दुपहिया वाहनों के 2 वाहन चोरों को किया गिरफ्तार

अर्जुन सिंह भंडारी देहरादून। जनपद पुलिस ने अलग–अलग थाना क्षेत्रों में हुयी वाहन चोरी की 2 घटनाओं का खुलासा कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जानकारी हो कि बीती 25 अगस्त को वादी अमन नेगी पुत्र राजेन्द्र सिंह नेगी निवासी लेन न0 02 गढवाली कालोनी रिंग रोड रायपुर दून ने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया था कि उनकी मोटर साईकिल संख्या यू0के –07–एजे–5603 सुपर स्पेन्डर को सहस्त्रधारा क्रासिंग के पास दुकान के बाहर से अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। वंही दूसरी चोरी की घटना में 13 सितंबर को शिकायतकर्ता सक्षम ने थाना कैण्ट पर शिकायत दर्ज करवाई गयी कि उनकी स्कूटी यूके 07–एफआर–9968 को तेल भवन के पास से चोरी कर लिया गया है। वाहन चोरी घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त अंशुल(उम्र22)पुत्र संदीप कुमार निवासी ग्राम धौलास थाना प्रेमनगर जनपद दून,को स्कूटी यू0के0–07– एफआर–9968 के साथ व दूसरे अभियुक्त राहुल कुमार (उम्र22) उर्फ सिदार्थ पुत्र सतीश कुमार निवासी गली न0– 04 आर्यनगर, थाना– डालनवाला को थाना रायपुर क्षेत्रान्तर्गत वाहन चौकिंग के दौरान मालदेवता क्षेत्र से चोरी की मोटर साईकिल सं. यूके–07– एजे–5603 के साथ गिरफ्तार किया गया।

उद्यान घोटाले में किन भ्रष्टाचारियों को बचाना चाहते थे मंत्री !

उद्यान घोटाला

■न्याय विभाग की मनाही के बावजूद एसएलपी दायर किये जाने मामले में मंत्री जोशी हों बर्खास्तः मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि गत वर्ष उद्यान विभाग में हुए करोड़ों रुपए के घोटाले के मामले में भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी का उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करवाना बहुत बड़ी सांठ–गांठ की तरफ इशारा करता है।

नेगी ने कहा कि मा. उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 11/10/23 को उक्त घोटाले की सीबीआई जांच के निर्देश देने से विभागीय मंत्री की नींद उड़ गई तथा उन्होंने अपने करीबी निदेशक डॉ. बवेजा एवं अन्य भ्रष्टाचारियों को बचाने के सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल किए जाने का मन बनाया तथा इसी क्रम में पत्रावली न्याय विभाग को अपना मत देने हेतु अग्रसरित की, जिस पर न्याय विभाग ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर किए जाने का कोई ठोस आधार नहीं है और सरकार अपने जोखिम पर एसएलपी दाखिल कर सकती है बावजूद इसके एसएलपी दायर की गई। इस खेल में उद्यानिकी से जुड़े किसानों को बड़ी मात्रा में छलने का काम किया गया।

सीबीआई जांच से क्यों डर रहे मंत्री!

नेगी ने कहा कि जब उच्च न्यायालय ने सरकार की जांच एजेंसी (एसआईटी) जांच के बजाय सीबीआई जांच के आदेश दिए तो सीबीआई जांच को क्यों रोकना चाहते थे मंत्री! नेगी ने कहा कि यह पहला मामला है जब मंत्री ने सरकार को गुमराह कर भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए उच्चतम न्यायालय में एसएलपी दाखिल करवाई, जबकि हमेशा सरकार भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसने को न्यायालय की शरण लिया करती थी।

नेगी ने तंज कसते हुए कहा कि क्या उद्यान मंत्री और उनकी टीम विदेशी सैर सपाटा करने भ्रष्टाचार में पीएचडी करने को गई थी! सवाल यह है कि मंत्री ने सरकार को आत्मघात करने जैसा कदम उठाने को क्यों मजबूर किया ! इस भ्रष्टाचार में मंत्री गणेश जोशी की मिली भगत स्पष्ट दिख रही है, जिसके आधार पर इनको बर्खास्त किया जाना चाहिए।

पत्रकार वार्ता में – मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, हाजी असद, डॉ. अविनाश बर्मन व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

लावारिस शव का पूरे हिन्दु संस्कारों के साथ किया अन्तिम संस्कार

अर्जुन सिंह भंडारी देहरादून। बीती 17सितंबर को थाना डोईवाला पर कोतवाली नगर देहरादून से सूचना प्राप्त हुयी कि दून अस्पताल से कोतवाली नगर देहरादून पर एक डैथ मैमो लावारिस महिला उम्र–45 वर्ष का प्राप्त हुआ। उक्त महिला को 108 के माध्यम से डोईवाला अस्पताल से दून चिकित्सालय मे बीती 01 सितंबर को लाया गया था, जिसकी दौरान उपचार 16 सितंबर को मृत्यु हो गयी। उक्त सूचना पर प्रभारी निरीक्षक डोईवाला ने आवश्यक पंचायतनामा कार्यवाही हेतु पर्याप्त पुलिस भेजा गया। मृतका की शिनाख्त को थाना स्तर पर विभिन्न संसाधनो के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया, परन्तु मृतका के संबंध में कोई लाभप्रद सूचना प्राप्त नहीं हो पाई, जिससे उपरोक्त अज्ञात महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई। निर्धारित समयावधि व्यतीत होने पर उपरोक्त अज्ञात लावारिस महिला के शव की शिनाख्त नहीं होने पर डोईवाला पुलिस द्वारा अज्ञात महिला के शव का हिंदू विधि विधान के साथ लक्खीबाग शमशान घाट देहरादून में अंतिम संस्कार किया गया।

In a Digital World Why
To wait for a Howker
Visit Us at https://www.page3news.co.
Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code
Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।